गौं- आधारीत

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम
कृषि संदेश

अंक – 20 www.kvkhoshangabad.com मार्च– 2023

संरक्षक
श्री अनिल अग्रवाल
चैयरमेन
कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर

मार्गदर्शक
डॉ. एस.आर.के. सिंह
निदेशक (कृ.प्रौ.अनु.अ.सं)
भा.कृ.आ.प. झोन–9 जबलपुर

संपादक मण्डल
डॉ संजीव कुमार गर्ग
प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख

ब्रजेश कुमार नामदेव
वैज्ञानिक (पौध संरक्षण)

डॉ देवीदास पटेल
वैज्ञानिक (पादप प्रजनन)

लवेश कुमार चौरसिया
वैज्ञानिक (उद्यानिकी)

डॉ आकांक्षा पांडे
वैज्ञानिक (गृह विज्ञान)

राजेंद्र पटेल
वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान)

डॉ प्रवीण सोलंकी
कार्यक्रम सहायक (मृदा विज्ञान)

पंकज शर्मा
कार्यक्रम सहायक (प्रक्षेत्र प्रबन्धक)

राहुल माझी
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

विकास कुमार मोहरीर
सहायक

अभय वराठे
स्टेनोग्राफर

कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर की चतुर्थ वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर जिला नर्मदापुरम की चतुर्थ वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर के ए. पी. जे अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित की गयी जिसकी अध्यक्षता नर्मदापुरम के जिलाधीश श्री नीरज कुमार सिंह ने की बैठक में संचालक विस्तार सेवाए प्रति निधि जवाहर लाल नेहरु कृषि विश्व विद्यालय से डॉ संजय वेशम्पायन, उपसंचालक कृषि श्री जे.आर. हेडाऊ , श्री विवेक शेंडे जी क्षेत्रीय मंत्री मध्य क्षेत्र विद्या भारती, श्री शैलेन्द्र जैन, कोषाध्यक्ष, भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर, श्री केशव माहेश्वरी, सहसचिव भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर, श्री भूपेन्द्र सिंह पटेल सदस्य भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर,श्री अनिल बारोलिया, सदस्य भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर उधानिकी, महिला बाल विकास, रेशम विभाग, बीज प्रमाणीकरण अधिकारी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिको एवं जिले के प्रगतिशील कृषको की उपस्थिति में संपन्न की गई ।

कार्यक्रम में चतुर्थ वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक के पूर्व पिछले वर्ष के सुझाव एवं कार्य की प्रगति के साथ वर्ष 2023–24 की कार्ययोजना केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजीव कुमार गर्ग द्वारा प्रस्तुत की गई तत्पश्चात सामूहिक चर्चा एवं सुझाव आमंत्रित किये गये जिसमे बैठक के अध्यक्ष एवं जिलाधीश श्री नीरज कुमार सिंह ने जिले में कार्य करने के लिए चार सुझाव दिए (1) जिले में धान, गेहूं और मूंग फसल चक्र की जगह किसी दूसरी फसलो के फसल चक्र को अपनाया जाए जिससे मृदा उर्वरता बनी रहे , (2) म.प्र.में प्रति हेक. उर्वरोको की खपत बहुत जादा है और उर्वरोको को भारी सब्सडी पर किसानो को उपलब्ध कराया जाता है जिसके लिए कृषि विज्ञानं केंद्र को सुझाव है कि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत उर्वरको के अंतर्गत प्रक्षेत्र परीक्षण में इनकी लागत का आकलन किया जाए, (3) नरवाई /पराली प्रबंधन के अंतर्गत जिला अभियांत्रिकी विभाग के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र में एक प्रदर्शन इकाई स्थापित की जानी चाहिए जिससे की आस पास के किसानो को इसका लाभ मिल सके (4) जिले में विभिन्न फसलो के उत्पादान के विपणन समस्या के समाधान हेतु कार्य किया जाना चाहिए।

डॉ संजय वेशंपायन वरिष्ट वैज्ञानिक विस्तार संचालनालय ज.ने. कृ.वि.वि. जबलपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष के तत्वाधान में प्रत्येक माह विभिन्न जागरूकता, प्रशिक्षण, एवं बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शन के लिए सुझाव दिया एवं प्राकृतिक खेती के अंतर्गत मृदा परिक्षण में विभिन्न सूक्ष्म जीवो के आकलन करने का भी सुझाव दिया

विशिष्ट अतिथि श्री विवेक शेंडे जी क्षेत्रीय मंत्री मध्य क्षेत्र विद्या भारती, द्वारा मशरूम मार्केटिंग एवं प्रसंस्करण हेतु सुचाव दिया गया।

उपसंचालक कृषि द्वारा ए.फ.पी.ओ के माध्यम से सिवनी मालवा में सोयाबीन के बीज उत्पादन एवं सोयाबीन के रकबे को बढ़ावा देने का सुझाव दिया।

प्रगतिशील कृषक द्वारा श्री शरद वर्मा द्वारा जिले में ब्रोकली के अधिक उत्पादन के बढ़ावा देने के लिए सुझाव दिया, श्री हेमराज पटेल जी द्वारा फलदार वृक्षों के बढ़ावा देने का सुझाव दिया जिसे किसान अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर सके इस पर कार्य करने का सुझाव दिए गये इन सुझाव को कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर की आगामी कार्य योजना में सम्मलित किया जायेगा।

बैठक में प्रगतिशील कृषक श्री शरद वर्मा, श्री गोपाल कुशवाहा, श्री बलकिशन कुशवाहा, श्री राकेश वर्मा, श्री मुंशी आर्से, श्री सुखराम कुशवाहा, श्री रमेश चन्द्र, महिला कृषक श्रीमती राधा बाई, श्रीमती रेखा उइके, श्री सन्देश जैन, श्री जेकी खेमरे एवं कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संजीव कुमार गर्ग, डॉ देवीदास पटेल, डॉ. राजेन्द्र पटेल, श्री लवेश चौरसिया, डॉ.आकांक्षा पांडे, श्री ब्रजेश कुमार नामदेव, डॉ प्रवीण सोलंकी,श्री पंकज शर्मा, श्री राहुल माझी उपस्थित थे।

सफलता की कहानी – श्री शरद वर्मा

भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर नर्मदापुरम के उधानिकी वैज्ञानिक लवेश कुमार चौरसिया ने केसला विकास खंड के सोमलवाडा खुर्द ग्राम में प्रगतिशील किसान शरद वर्मा जी के खेत पर पिछले वर्ष नई फसलों जैसे ब्रोकली एवं टमाटर की उन्नत प्रजाति काशी अमन को लगवाया गया था जिसका उन्होंने अपने खेत में सफलतापूर्वक उत्पादन किया है इस वर्ष भी कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा इस रबी मौसम में स्ट्रोबेरी भी लगवाई गई है साथ ही साथ उन्होंने केंद्र पर उत्पादित हल्दी की उन्नत प्रजाति राजेंद्र सोनाली किस्म का 3 क्विंटल बीज 30000 रुपये में खरीदा था उन्हें समय समय पर वैज्ञानिको का मार्गदर्शन दिया गया और समय समय पर उनके खेत पर भी भ्रमण किया गया

उनके एक एकड में लगाने पर बीज,खाद, ड्रिप, मल्चिंग, श्रमिक की लागत जोडकर 1 लाख 50 हजार का खर्च आया जिससे उनके यहाँ प्रति एकड़ 100 किन्टल लगभग जैविक हरी हल्दी का उत्पादन हुआ है इसी को उन्होंने प्रोस्सेड कर सुखाया है जिससे उनको 20 किन्टल हल्दी प्राप्त हुई है

इसे वह 200 रुपये प्रति किलोग्राम विक्रय कर रहे है जिससे उनकी कुल आय लगभग 4 लाख हुई है उनको 1.5 लाख लागत घटाकर शुद्ध बचत लगभग 2.5 लाख की हुई है इसके लिए उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर नर्मदापुरम के वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया है और अन्य किसानों को भी हल्दी की खेती करने की सलाह दी है जिससे अधिक आय प्राप्त की जा सके

इसके अतिरिक्त उन्होंने स्वयं द्वारा विकसित सेम की कुंआरी किस्म की खेती 5 एकड में लगा रखी हैं और इसका विपणन लखनऊ में कर अधिक आय प्राप्त करते हैं

इसी के साथ साथ वह 90 एकड में मक्का लगाकर मक्के से साईलेज बनाकर गौशालाओं को एवं अन्य बाजार में बेच रहे है जिससे उनको मक्के की तुलना में अधिक आय प्राप्त कर रहे हैं अन्य किसान भाई भी उनसे प्रेरणा ले रहे है

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ संजीव कुमार गर्ग ने बताया है कि केंद्र जिले में पिछले पांच वर्षो से लगातार किसानों के यहाँ फसल विविधिाकरण पर कार्य कर रहा है जिससे जिले के किसान अन्य फसलो की तरफ आकर्षित होकर अधिक आय प्राप्त कर रहे है एवं किसानो को कृषि रोजगार से जोड़ा जा रहा है

बुधवाड़ा मे प्राकृतिक खेती जागरूकता पर किसान गोष्ठी सम्पन्न

ग्राम बुधवाड़ा माखन नगर मे प्राकृतिक खेती कर रहे उन्नत किसान श्री नारायण मीणा जी के प्रक्षेत्र मे प्राकृतिक खेती जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया।

इस कार्यक्रम मे कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ देवीदास पटेल द्वारा किसान बंधुओ को सम्बोधित करते हुए कहाँ की प्राकृतिक खेती आज की आवश्यकता है जिससे हम स्वास्थ्य रह सकते है, वर्तमान मे रासायनिक उर्वरक एवं कीटनाशक की अत्यधिक उपयोग से मृदा की उत्प.ादन क्षमता कम हो रही है एवं शुक्ष्म मित्र कीट विलुप्त होने की कगार पर है। आज हमें धरती माता को बचाने के लिए प्राकृतिक खेती करने की आवश्यकता है इसके लिए जीवमृत, घन जीवमृत, नीमास्त्र, दशपर्नी अर्क आदि की उपयोग करना होगा साथ ही इसे बनाने के बिधि भी बताई गई। कार्यक्रम के अंत मे मीणा जी द्वारा अपना अनुभव भी साँझा किया गया कैसे उन्होंने प्राकृतिक खेती करना प्रारम्भ किया एवं आपने खेत मे प्राकृतिक उत्पाद कैसे बना रहे है।

इस कार्यक्रम मे केंद्र के शस्य विज्ञान वैज्ञानिक राजेंद्र पटेल जी, बी. टी. एम माखननगर पी. एस पवार जी उपस्थित रहे एवं 46 किसान बंधु उपस्थित रहे।

विडियो फिल्म के माध्यम से प्राकृतिक खेती जागरूकता

प्राकृतिक खेती एवं अन्तर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष के अंतर्गत ग्राम महाराजगंज में कृषि विज्ञान केंद्र गोविन्दनगर, नर्मदापुरम द्वारा फिल्म शो के माध्यम से प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया

सर्वप्रथम ग्राम के बच्चो को बाल गणेश फिल्म दिखाया गया साथ में बच्चो के द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया उसके बाद गाँव के युवा, किसान एवं महिला किसान कार्यक्रम में पधारे द्य उनके समक्ष कार्यक्रम की भूमिका एवं मोटे अनाज आज की आवश्यकता है इस पर गृह वैज्ञानिक डॉ. आकांक्षा पाण्डेय ने ग्रामीण जनो को मार्गदर्शित किया एवं कोदो, कुटकी, साँवा, ज्वार, बाजरा एवं रागी के उत्पादन के लिए प्रेरित किया "रासायनिक खेती के दुष्परिणाम एवं प्राकृतिक खेती से लाभ" पर बनी डॉक्युमेंट्री फिल्म को दिखाया गया तत्पश्चात केंद्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक पंकज शर्मा द्वारा विस्तार से प्राकृतिक खेती के लाभ एवं देशी खाद, कीट नियंत्रक निर्माण की विधि एवं उपयोग को समझाया साथ में ग्राम के युवाओ को कहा कि आप लोग छोटे स्तर पर शुरुआत करे जैसे प्रत्येक घर के सामने कचरा डब्बा रखिए जिससे ग्राम एक कदम स्वच्छता की ओर बढेगा महिलाओं से आग्रह किया की आप घरों में व्यवस्थित पोषण वाटिका बनाइये तथा स्वस्थ्य रहने की ओर एक कदम बढाइये एवं एक इकाई देशी खाद निर्माण की अपने घरो में बनाइये कार्यक्रम के साथ में कार्यक्रम सहायक राहुल माझी ने जैविक खाद से जुड़े मोबाइल एप्प एवं वेबसाइट की जानकारी प्रदान किया अंत में मयंक मिश्रा ने आभार व्यक्त किया ।

गोविंदनगर में प्राकृतिक आधारित कृषि विज्ञान मेला संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र गोविंदनगर में प्राकृतिक खेती आधारित किसान मेला आयोजित

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन ष्आत्माष योजनान्तर्गत प्राकृतिक खेती आधारित जिला स्तरीय किसान मेले का आयोजन 02 मार्च को कृषि विज्ञान केन्द्र गोविन्द नगर परिसर में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा आयोजित किया गया। किसान मेला अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग म.प्र. शासन श्री अशोक वर्णवाल के मुख्य अत्थिय में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री श्रीमन् शुक्ल, निदेशक कृषि प्रोद्योगिकी अनुसंधान संस्थान जबलपुर डॉ. एस.आर. के. सिंह भारतीय किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री दर्शनसिंह चौधरी, संयुक्त संचालक कृषि श्री बी.एल. बिलैया, उपसंचालक कृषि श्री जे. आर. हेडाऊ, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल व वरिष्ट वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संजीव कुमार गर्ग व हजारों किसान बंधु उपस्थित रहे। मेले मे किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व व संभावनाएँ, प्राकृतिक खेती के घटक निर्माण व उपयोग की विधी, कीट–व्याधी प्रबंधन की तकनीकी जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी के माध्यम से प्राकृतिक खेती, उन्नत कृषि यंत्र उन्नत बीज एवं उन्नत कृषि यंत्रों व ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। कृषि के नए तकनीकी आयाम पर कृषि वैज्ञानिको एवं कृषि विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी एवं माग. दर्शन दिया गया, जिसका लाभ मेले में पधारे हजारो किसान बंधुओ ने प्राप्त किया। अपर मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक गाँव में एक–दो युवा आगे आकर प्राकृतिक खेती के लिए गाँव वालों को प्रेरित व प्रशिक्षित कर प्राकृतिक खेती को सही तरीके से क्रियान्वित करे। नरवाई में आग न लगाये, मृदा व फसल के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन करे व फसल विविधीकरण अपनाए। उपसंचालक कृषि श्री जे आर हेडाऊ द्वारा जिले के किसानो द्वारा खेती में निरन्तर अथक प्रयास से कृषि क्षेत्र मे राष्ट्रीय स्तर पर जिला नर्मदापुरम की प्रगति संबंधित जानकारी दी गई। इसके साथ ही आत्माष योजनान्तर्गत 03 किसानों को जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार श्प्रमाण पत्रश व 13 कृषकों विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम किसान व कृषि विज्ञान केन्द्र गोविंद नगर द्वारा गौ आधारित प्राकृतिक खेती मे उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 16 कृषको को उनके प्रेरणादायी कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

3 माह में सम्पन्न हुए प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रम

क्र.	विवरण	कार्यक्रम संख्या	लाभार्थी संख्या
1	किसान / महिला प्रशिक्षण	7	149
2	व्यावसायिक प्रशिक्षण	3	65
3	प्रसार कार्यक्रम	21	757
4	प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण	11	211
5	प्रक्षेत्र भ्रमण	15	111
6	प्रक्षेत्र दिवस	4	76
7	प्राकृतिक जागरूकता कार्यक्रम	16	2218

गौ आधारित

कृषि विज्ञान केन्द्र गोविंदनगर नर्मदापुरम्
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविन्दनगर

फास्फोरस बाहुल्य जैव खाद (प्रोम)

प्राकृतिक खेती के तहत पोषक तत्व प्रबंधन में प्रोम का विशेष महत्व हैं। क्योंकि इसका निर्माण गोबर एवं प्राकृतिक तरीके से निर्मित किए गए रॉक फास्फेट से किया जाता है गोबर की उपलब्धता के कारण इसमें सभी 17 आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता होती हैं जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से पौधों की बढ़वार के लिए आवश्यक होते हैं।

गोविन्द प्रोम
प्रोम का दम असरदार
आपकी मुस्कान
जय किसान

निर्माण सामग्री

60 किलोग्राम बायोगैस स्लरी
40 किलोग्राम रॉक फास्फेट
100 ग्राम पी.एस.बी (फास्फोरस घोलिए जीवाणु)

बनाने की विधि

इन सभी सामग्री को आपस में मिलाकर तैयार उत्पाद को हर 5 दिन के बाद फावड़े की सहायता से 21 दिन तक मिलान करना है, 21 दिन बाद पाउडर प्रोम प्रयोग के लिए तैयार हो जाता है यदि दानेदार प्रोम का निर्माण करना हो तो मशीन (ग्रेनुलेटर) की सहायता से कर सकते हैं।

उपयोग

प्रोम का उपयोग खेत तैयार करने के बाद तथा फसल की बुवाई के पूर्व या बुवाई के साथ करना चाहिए मूंग गेहूं धान तथा चने की फसल में तथा सब्जी वर्गीय फसलों में इसका उपयोग करना चाहिए।

उपयोग की मात्रा प्रति एकड़ कि.ग्रा.

फसल	प्रोम	यूरिया	पोटास
चना	120	18	27
गेंहू	150	100	27
धान	150	100	27
मूंग	120	18	27

सावधानियां

प्रोम के उपयोग के समय भूमि में हल्की नमी होना चाहिए प्रोम को छायादार स्थानों पर भंडारित करना चाहिए।

कृषि विज्ञान केन्द्र गोविंदनगर, नर्मदापुरम्, भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर, पलिया पिपरिया, तह.बनखेड़ी, जिला-नर्मदापुरम् म.प्र.

kvkgovindnagar2017@gmail.com +91 9644182002 kvk govindnagar Kvkbankhedi www.kvkbankhedi.org.in kvkhoshangabad

संपर्क सूत्र
कृषि विज्ञान केंद्र गोविंदनगर
पलिया–पिपरिया, तह– बनखेड़ी, नर्मदापुरम (म.प्र.)
भाऊसाहब भुस्कुटे स्मृति लोक न्यास गोविंदनगर